



Jainil

17 Jun 2003

06:15 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121692303

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 17/06/2003  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 18:15:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 30:44:39 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Surat  
राज्य \_\_\_\_\_: Gujarat  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 21:10:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 72:50:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:38:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 17:36:20 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:00:46 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 11:17:47 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:57:08 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:21:47 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:24:39 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: ग्रीष्म  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 02:01:33 मिथुन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 17:57:25 वृश्चिक

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: श्रवण - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: ऐन्द्र  
करण \_\_\_\_\_: बव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: वानर  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: खी-खिलावन  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मिथुन

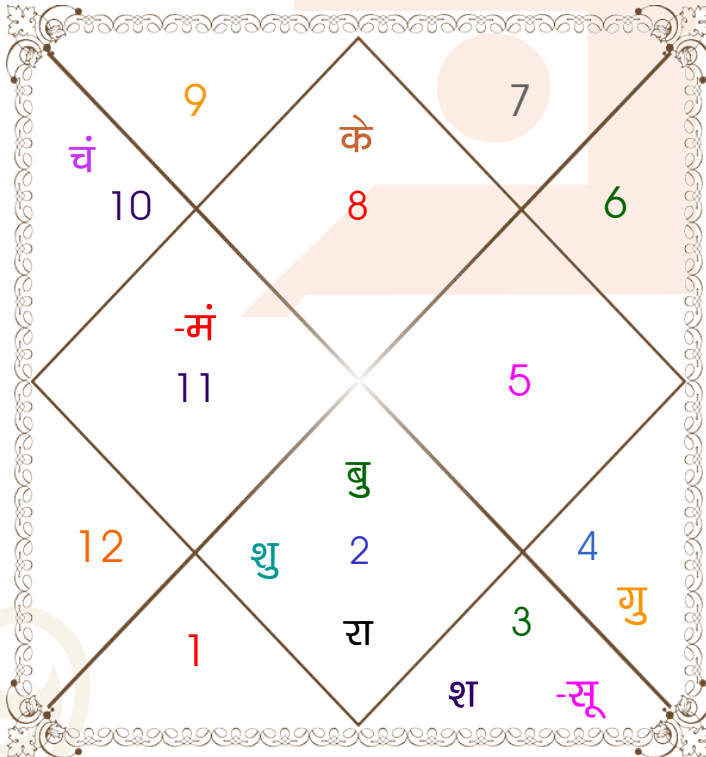
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	वृश्चि	17:57:25	319:02:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल बुध बुध	---
सूर्य	मिथु	02:01:33	00:57:16	मृगशिरा	3	5	बुध मंगल केतु	सम राशि
चंद्र	मक	13:04:45	13:47:05	श्रवण	1	22	शनि चंद्र राहु	सम राशि
मंगल	कुंभ	06:16:50	00:25:19	धनिष्ठा	4	23	शनि मंगल चंद्र	सम राशि
बुध	वृष	13:07:01	01:40:43	रोहिणी	1	4	शुक्र चंद्र राहु	मित्र राशि
गुरु	कर्क	21:33:59	00:10:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र बुध सूर्य	उच्च राशि
शुक्र	वृष	15:05:28	01:13:07	रोहिणी	2	4	शुक्र चंद्र गुरु	स्वराशि
शनि	अ मिथु	07:49:38	00:07:47	आर्द्रा	1	6	बुध राहु राहु	मित्र राशि
राहु	व वृष	05:20:08	00:03:30	कृतिका	3	3	शुक्र सूर्य बुध	मित्र राशि
केतु	व वृश्चि	05:20:08	00:03:30	अनुराधा	1	17	मंगल शनि शनि	मित्र राशि
हर्ष	व कुंभ	08:52:39	00:00:29	शतभिषा	1	24	शनि राहु गुरु	---
नेप	व मक	19:00:40	00:00:58	श्रवण	3	22	शनि चंद्र बुध	---
प्लूटो	व वृश्चि	24:29:56	00:01:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल बुध राहु	---
दशम भाव	सिंह	24:37:03	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य शुक्र बुध	--

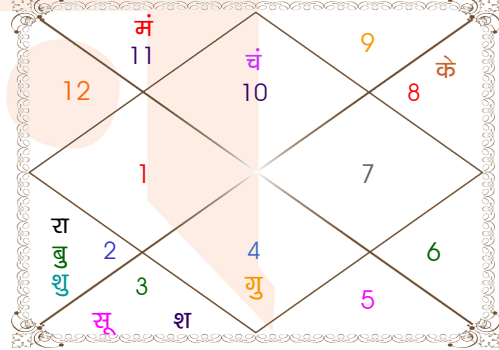
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:05

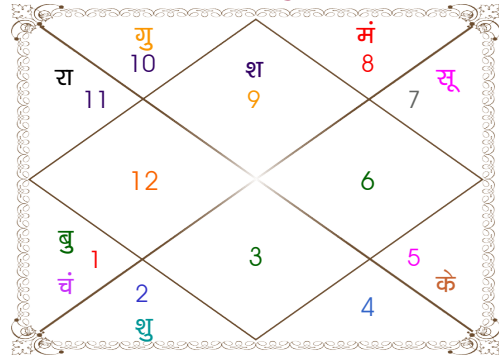
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 8 मास 8 दिन**

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
17/06/2003 24/02/2011	24/02/2011 24/02/2018	24/02/2018 24/02/2036	24/02/2036 24/02/2052	24/02/2052 24/02/2071
00/00/0000 17/06/2003	मंगल 23/07/2011 राहु 10/08/2012	राहु 06/11/2020 गुरु 02/04/2023	गुरु 14/04/2038 शनि 25/10/2040	शनि 27/02/2055 बुध 06/11/2057
राहु 25/01/2004	गुरु 17/07/2013	शनि 06/02/2026	बुध 31/01/2043	केतु 16/12/2058
गुरु 26/05/2005	शनि 26/08/2014	बुध 25/08/2028	केतु 07/01/2044	शुक्र 15/02/2062
शनि 25/12/2006	बुध 23/08/2015	केतु 13/09/2029	शुक्र 07/09/2046	सूर्य 28/01/2063
बुध 26/05/2008	केतु 19/01/2016	शुक्र 12/09/2032	सूर्य 26/06/2047	चंद्र 28/08/2064
केतु 25/12/2008	शुक्र 20/03/2017	सूर्य 07/08/2033	चंद्र 25/10/2048	मंगल 07/10/2065
शुक्र 26/08/2010	सूर्य 26/07/2017	चंद्र 06/02/2035	मंगल 01/10/2049	राहु 13/08/2068
सूर्य 24/02/2011	चंद्र 24/02/2018	मंगल 24/02/2036	राहु 24/02/2052	गुरु 24/02/2071

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
24/02/2071 24/02/2088	24/02/2088 24/02/2095	24/02/2095 25/02/2115	25/02/2115 25/02/2121	25/02/2121 00/00/0000
बुध 23/07/2073	केतु 23/07/2088	शुक्र 26/06/2098	सूर्य 15/06/2115	चंद्र 26/12/2121
केतु 20/07/2074	शुक्र 22/09/2089	सूर्य 26/06/2099	चंद्र 14/12/2115	मंगल 27/07/2122
शुक्र 20/05/2077	सूर्य 28/01/2090	चंद्र 25/02/2101	मंगल 20/04/2116	राहु 18/06/2123
सूर्य 26/03/2078	चंद्र 29/08/2090	मंगल 27/04/2102	राहु 15/03/2117	00/00/0000
चंद्र 26/08/2079	मंगल 25/01/2091	राहु 27/04/2105	गुरु 01/01/2118	00/00/0000
मंगल 22/08/2080	राहु 12/02/2092	गुरु 27/12/2107	शनि 14/12/2118	00/00/0000
राहु 11/03/2083	गुरु 18/01/2093	शनि 25/02/2111	बुध 21/10/2119	00/00/0000
गुरु 16/06/2085	शनि 27/02/2094	बुध 26/12/2113	केतु 25/02/2120	00/00/0000
शनि 24/02/2088	बुध 24/02/2095	केतु 25/02/2115	शुक्र 25/02/2121	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती है। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती है कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरुचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता हैं। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरुचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ट धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते हैं कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुःखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

